विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 26 जून से 2 जुलाई 2025 ❖वर्ष :16 ❖ अंक- 05 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

अमरावती का बेटा बनकर आया हूं-न्या.गवई

नागरी सत्कार में देश के मुख्य न्यायाधीश न्या. भूषण गवई की सादगी ने दिल जीता,सभी को होगा गर्व

विदर्भ स्वाभिमान, 25 जून

अमरावती- अमरावती मेरी जन्मभूमि है, यहां पर देश का प्रधान न्यायाधीश बनकर नहीं बल्कि अमरावती का बेटा बनकर आया हूं, अपनों का कभी आभार नहीं मानते हैं, अमरावती मेरा शहर है, यहीं मेरी शिक्षा हुई है और यहीं से इस कामयाबी बुलंदी पर पहुंचा हूं, इन शब्दों में जिला वकील संघ द्वारा आयोजित नागरी सत्कार में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने अमरावतीवासियों का दिल जीत लिया. अपने मार्गदर्शन में उन्होंने माता-पिता का विशेष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि पिता स्व.दादासाहब गवई की इच्छा **शेष पेज 6 पर**

12 घंटे में दिल्ली के 1400 किमी के 3500 गड्ढे बुझाए, बड़ी खबर

नई दिल्ली- अमरावती सहित देशभर में रास्ते के गड्ढे जहां समस्या बने हैं, वहीं इन गड्ढों के कारण हजारों लोगों की मौत होती है. लेकिन दिल्ली सरकार के लोकनिर्माण विभाग ने इस मामले में इतिहास रच दिया है. अगर काम करने की लगन और इच्छाशक्ति हो, तो मुश्किल काम भी आसान है. 12 घंटों में 1400 किमी लंबी सड़कों पर बने 3433 गड्ढों को रिपेयर कर पीडब्ल्यूडी इंजिनियरों और स्टाफ ने यह कर दिखाया है. सड़क सुरक्षा और जवाबदेह प्रशासन का यह निर्णायक कदम है.पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के अनुसार, गड्ढे रिपेयर करने के लिए 70 असिस्टेंट इंजिनियर, 150 जूनियर इंजिनियर और 1,000 मजदूर मंगलवार को सुबह से काम पर लगे

थे.पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि कुछ घंटों में दिल्ली की 1400 किमी लंबी सड़कों पर बने बड़े-बड़े गड्ढों को रिपेयर करना आसान काम नहीं था.लेकिन, सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में बेहतर प्लानिंग और माइक्रो मॉनिटरिंग के चलते यह मुश्किल काम भी संभव हो गया.उन्होंने कहा कि इरादा साफ हो और जवाबदेह नेतृत्व हो, तो मुश्किल काम भी आसान हो जाता है। गड्ढों की रिपेयरिंग का काम सुबह ही शुरू हो गया था.प्रशासन ठान ले तो सब कुछ संभव हो सकता है.

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जो लोग केवल पैसे को ही मानते हैं, वह अपनी पत्नी और बच्चों को भी खुशी नहीं दे सकते हैं. उनके प्रभु इतने अवगुण भर देते हैं कि वे कितना भी मेहनत करें लेकिन उनकी कमाई कभी फलित नहीं होती है. ऐसे लोग जीवनभर सदैव आर्थिक, शारीरिक और मानसिक मेहनत झेलते हैं.

समाजसेवी,यारों के यार,युवा स्वाभिमान पार्टी के युवा पदाधिकारी विनोद गुहे को जन्मदिन 1 जुलाई पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 22वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

आवास योजना के भ्रष्टाचारी अफसरों पर लगाम जरूरी

भारत सरकार तथा महाराष्ट्र सरकार द्वारा गरीबों तथा जरूरतमंदों को स्वयं का घर दिलाने के लिए करोड़ों रूपए खर्च किया जा रहा है लेकिन भ्रष्ट योजना से जुड़े अधिकारी और पैसे के लिए कुछ भी करने की मानसिकता रखने वाले ठेकेदारों द्वारा जिस तरह से घटिया काम किया जा रहा है, उसके चलते हजारों लोगों की जिंदगियों से खिलवाड़ इनके द्वारा किया जा रहा है. योजना के अधिकारियों तथा ठेकेदारों की आयकर विभाग द्वारा गहराई से जांच करने और अकूत सम्पत्ति मिलने पर इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की जरूरत जताई जा रही है. रोटी कपड़ा और मकान सबसे अधिक महत्वपूर्ण ज़रूरतें हर व्यक्ति के लिए होती हैं. रोटी और कपड़े की व्यवस्था इंसान अपनी मेहनत से कर ही लेता है. लेकिन हर व्यक्ति का सपना अपना छोटा सा मकान होता है.दुर्भाग्य की बात यह है कि भारी भ्रष्टाचार और प्रशासन के निकम्मेपन के कारण सरकार की कल्याणकारी योजनाएं लोगों के मौत का पैगाम बन रही है शहर में महानगरपालिका द्वारा निर्मित प्रधानमंत्री आवास योजना क्या आवासीय प्रकल्प घटिया दर्जे का बन रहा है जिसके चलते अभी से दीवारों में दरार पड़ जाना इस बात का सूचक है कि यह काम करने वाला ठेकेदार और उस पर नजर रखने वाले अधिकारी कितने भ्रष्ट हैं. जिस घर में अभी से दरार पड़ रही है वहां लाखों रूपए भर कर जाने वाले परिवार पर कब कौन सा खतरा मंडरा जाए इसका भरोसा नहीं है. सांसद बलवंत राव वानखेड़े और पूर्व पालक मंत्री डॉ सुनील देशमुख ने आवास योजना के जारी घटिया काम का स्वयं निरीक्षण किया और यहां पर जारी काम देखकर वह स्वयं भी हैरत में आ गए. काम के घटियापन का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आवास प्रकल्प के पिलर में कमजोरी के साथ ही यह टेढ़े हो गए हैं और स्लैब में दरारें पड़ गई है उनमें से पानी की धार आ रही है. यह देखने के बाद देखने के बाद प्रकल्प की घटियापन का अंदाजा शहर लगाया जा सकता है. गरीब आदमी का जीवन में एक ही बार घर होता है.पैसे की अंधी भूख ने लोगों को इस कदर पापी बना दिया है कि किसी परिवार की जिंदगी उनके लिए अगर मायने नहीं रखती है तो इससे बड़ी हैरत की बात और क्या हो सकती है. जो ठेकेदार और अधिकारी यह काम कर रहे हैं क्या इस तरह का घटिया काम करने के बाद उनके परिवार को अगर वहां रहने के लिए कहा जाए तो क्या वह रह पाएंगे. प्रधानमंत्री आवास योजना शानदार योजना है सरकार का उद्देश्य गरीबों को अपना मकान देना है लेकिन अगर निकम्मे प्रशासन और भ्रष्ट ठेकेदारों के कारण बने हुए घर अगर गिरते हैं और समझो परिवार के कुछ सदस्यों की मौत होती है तो इसके लिए किसे जिम्मेदार माना जाए.अधिकारी तथा ठेकेदार का मन उन्हें धिक्कारना चाहिए.पैसे की अंधी भूख में किसी का परिवार खत्म हो, ऐसा नहीं करें.

संवेदनशील संभागीय आयुक्त श्वेता सिंघल

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

क़हते हैं कि पद और कद की महत्ता व्यक्ति के व्यक्तित्व से बढ़ती है. उसमें भी अगर उच्चाधिकार महिला अधिकारी संवेदनशील हो तो निश्चित ही पद की महत्ता और गरिमा बढ़ने के साथ ही लोगों के दिलों में सदैव स्थान बनाने में कामयाब रहती हैं. अमरावती संभाग की संभागीय आयुक्त श्वेता सिंघल इसी तरह की बेहतरीन अधिकारी हैं. कर्मठता के साथ ही अधीनस्थों तथा जनता के प्रति उतना ही सम्मान और टीम वर्क में विश्वास रखती हैं. वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के साथ ही पांच जिलों के संभाग की राजस्व प्रमुख रहने के बाद भी लोगों की शिकायतें जिस गंभीरता से सुनती हैं और उसका निराकरण करने के मामले में तत्पर रहती हैं, वह अपने आप में बड़ी बात है. उनकी सादगी निश्चित तौर पर उन्हें भीड़ में भी स्वतंत्र चेहरा बनाने की ताकत रखती है. किसी की शिकायत को गंभीरता से सुनना और उसका निराकरण करने का प्रयास उनकी खूबी है. विदर्भ स्वाभिमान द्वारा उनकी पहली मुलाकात लेने के बाद जिस तरह की सादगी दिखी, वह निश्चित ही काबिले तारीफ है. कर्म को पूजा मानने वाली श्वेता सिंघल कहती हैं कि पद की बजाय बेहतरीन इंसान बनकर वे समस्याओं को समझने और निराकरण का प्रयास करती हैं. यह अमरावती संभाग का सौभाग्य है कि उनकी संवेदनशीलता के साथ ही काम के प्रति समर्पण, सभी को साथ लेकर चलने वाली कला जैसी कई खूबियों के साथ ही विकास का विजय काफी मायने रखता है.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि अमरावती के लोग समझदार हैं. इतना ही नहीं तो समस्याओं के साथ ही इसके निराकरण की दिशा में उनका प्रयास सदैव रहता है. संभागीय आयुक्त की जिम्मेदारी संभालने के बाद जहां संभाग के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया, वहीं दूसरी ओर विकास को लेकर भी वे सदैव तत्पर रहती हैं. श्रीक्षेत्र कौंडण्यपुर के विकास की बात हो अथवा आदिवासी बहुल मेलघाट क्षेत्र की स्वास्थ्य समस्या या आदिवासियों के जीवन को सुकर करने का प्रयास हो, वे इस मामले में अत्याधिक गंभीर हैं.मेलघाट के दुर्गम गांवों में जाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थिति जानने के साथ ही वहां की समस्याओं और काम करने के तरीकों का पता लगाने को कहा है. उनका मानना है कि जब हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी का पूरे समर्पण के साथ निर्वहन करता है तो निश्चित तौर पर बेहतरीन काम होता है. वे अधीनस्थों को प्रोत्साहित करने के अलावा उनकी समस्याओं को सुनते हुए निराकरण का सदैव प्रयास करती हैं. उनके मुताबिक जब सभी अच्छा काम करते हैं तो निश्चित तौर पर वह उपलब्धि हो जाती है. उन्हें शानदार कार्यकाल की हार्दिक शुभकामनाएं.

जितना हो सके,सभी अच्छा करें तो अच्छा होगा

उच्च पद पर बैठे रहने के बाद भी मैडम की सादगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तमाम व्यस्तता के बाद भी वे किसी को निराश नहीं करती हैं. उसकी शिकायत सुनना और उसका निराकरण करने के लिए अपनी ओर से सदैव तत्पर रहती हैं. सहयोगी अधिकारियों को सम्मान देने के साथ ही कर्मचारियों की समस्याओं को भी आत्मीयता के साथ सुनती हैं और उसका निराकरण करने का प्रयास करती हैं. वे कहती हैं कि जो जिम्मेदारी प्रभु ने दी है, उसका सही तरीके से निर्वहन सभी करें तो निश्चित तौर पर हर कार्य बेहतरीन होगा. विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत में उन्होंने सभी को अपने काम के प्रति समर्पित रहने और मानवता के धर्म का सदैव सम्मान करने की सीख दी. अमरावती के लोग समझदार रहने तथा जिम्मेदारी संभालने के बाद से बेहतरीन सहयोग मिलने की बात भी कही. साथ ही संभाग के विकासार्थ हरसंभव प्रयास करने का भरोसा दिलाया.विदर्भ स्वाभिमान की हार्दिक शुभकामनाएं.

आषाढ़ी एकादशी है बहुगुणी लाभदायी

पंढरपुर वारी में शामिल हैं लाखों भक्त, स्वास्थ्य के साथ प्रभु सेवा का दोहरा योग

भारतीय संस्कृति तो वैसे तो समूचे विश्व में महान है. लेकिन महाराष्ट्र के सबसे लोकप्रिय पर्वों में से एक आषाढ़ी एकादशी या देवशयनी एकादशी का अपना ही महत्व है. यह पर्व जहां धार्मिक भावनाओं को बढ़ावा देता है, वहीं दूसरी ओर वारकरियों की निकलने वाली यात्रा और इसमें सैकड़ों किलोमीटर की पदयात्रा के कई लाभ होते हैं.धर्म को जहां यह बढ़ावा देने वाला पर्व है, वहीं इस उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता की मजबूती होती है. महाराष्ट्र के आराध्य भगवान विठ्ठल रूक्मिणी के दर्शन के साथ ही लाखों की संख्या में वारकरी जिस तरह से प्रदेश के विभिन्न कोने से पंढरपुर के लिए रवाना होते हैं और यह भक्त एक-दूसरे वारकरी का जिस तरह से

आत्मीयता से ध्यान रखते हैं, वह मानवता का दुर्लभ उदाहरण होता है. अमरावती जिले के कौंडण्यपुर से निकलने वाली पैदल दिंडी हो या घुईखेड़ से निकलने वाली पैदल दिंडी हो, इसमें भक्त हजारों की संख्या में शामिल होकर महाराष्ट्र की गरिमामय,भक्तिभाव वाली संस्कृति की महानता को दिखाने का काम करते हैं. समय के साथ यद्यपि बदलाव हो रहा है लेकिन आज भी आषाढ़ी एकादशी को लेकर भक्तों में जिस तरह से अपार उत्साह वाली स्थिति होती है और इसमें जिस तरह से लोगों की सहभागिता होती है, वह सब कुछ विलक्षण रहता है. पंढरपुर में लाखों लोगों का उमड़ने वाला सैलाब तथा इसके स्वअनुशासित रहने का तरीका भी अनुपम है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

मानव धर्म,राष्ट्र धर्म रहता है सर्वोच्च- डॉ.काशीनाथ शिंदे

जन्मदिन पर विशेष सेवा को परम धर्म मानते हैं हिंगोली निवासी डॉ. शिंदे, गरीब मरीजों का करते हैं निःशुल्क उपचार

विदर्भ स्वाभिमान,25 जून

हिंगोली- जीवन में जितना संभव हो, हर इंसान को दूसरे पीड़ित तथा मजबूर इंसान के काम आना चाहिए, इससे जो संतोष मिलता है, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है. जीवन में जब हम खुशियां बांटते हैं तो वह सदैव कई गुना बढ़कर आती हैं लेकिन ठीक इसी तरह जब हम किसी को दुःख देते हैं तो वह सैकड़ों गुना अधिक बढ़कर हमें मिलती हैं. मानव धर्म और राष्ट्र धर्म हमारे जीवन की सर्वोच्च जरूरत होनी चाहिए. इससे ही राष्ट्र हमेशा सुरक्षित रहता है. इस आशय का मत हिंगोली के समाजसेवी और वैद्यकीय क्षेत्र में सेवा के माध्यम से हजारों लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले डॉ. काशीनाथ शिंदे ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान से अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में बातचीत करते हुए डॉ. शिंदे ने कहा कि बचपन से ही उनका जीवन काफी संघर्षमय रहा है. लेकिन आज स्थितियां सुधरी हैं. मानव सेवा को सर्वोच्च सेवा मानते हुए वे कहते हैं कि जीवन में व्यक्ति कितने साल जीता है, इसे महत्व नहीं है. लेकिन वह इस दौरान कितने लोगों के काम आता है, वह लोग उसे कभी मरने नहीं देते हैं.रतन टाटा सहित

अनगिनत उदाहरण देते हुए डॉ. शिंदे ने कहा कि मानव धर्म का पालन जब हर व्यक्ति करता है तो सकारात्मक उर्जा के कारण उसके जीवन में भी बदलाव आता है. वे कहते हैं कि बचपन से लेकर अभी तक उन्होंने जो चाहा, सदैव मिला. गांव में गरीब मरीजों का जहां वे अत्यल्प दर में इलाज करते हैं, वहीं दूसरी ओर उनका मानना है कि जब व्यक्ति दूसरों की खुशियों के बारे में सोचता है तो निश्चित तौर पर उसकी खुशियों की चिंता भगवान करते हैं. जीवन में सदैव हंसते हुए जीने का प्रयास करना चाहिए. कईयों के पास दौलत भरपूर है लेकिन परिवार में तनाव भरपूर है. इससे घर में बीमारी और बीमारी के कारण धन का उपयोग नहीं कर पाते हैं. जब हम हमारी कमाई का परमार्थ,किसी गरीब की मदद या अच्छे काम में उपयोग करते हैं तो उसकी खुशी दौलत में नहीं गिनी जा सकती है. राष्ट्र धर्म को सबसे बड़ा धर्म मानने के साथ ही वे सभी से राष्ट्र धर्म को प्रथम महत्व देने की बात कहते हैं. वे कहते हैं कि जीवन में जब सभी देशवासी राष्ट्र के लिए समर्पित होती हैं तो उसकी प्रगति भी जापान जैसी होती है. इस मामले में सभी से राष्ट्र को प्रथम स्थान देने का आग्रह किया.

राष्ट्र सुरक्षा नागरिकों की भी जिम्मेदारी-होसबाले

मुंबई-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सभी देशवासियों की जिम्मेदारी है. इसके लिए सुरक्षाबलों के साथ-साथ सामान्य नागरिकों को भी सतर्क रहना चाहिए. उन्होंने यह बात मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त रहे दिवंगत आईपीएस हिमांशु राय की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए कही.हिमांशु राय ने मुंबई पुलिस में रहते हुए कई महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं, लेकिन असमय कैंसर जैसी बीमारी से कुछ वर्ष जूझने के बाद उन्होंने स्वयं ही अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली थी. उनकी स्मृति में उनकी पत्नी भावना राय, उनके साले एवं मशहूर लेखक अमीष त्रिपाठी तथा अमीष की पत्नी शिवानी ने मिलकर हिमांशु राय फाउंडेशन की स्थापना की है.

फाउंडेशन कई क्षेत्रों में सामाजिक कार्य कर रहा है. अब इसी फाउंडेशन के माध्यम से तीन अलग-अलग क्षेत्रों में हिमांशु राय लीगेसी अवार्ड (स्मृति सम्मान) की स्थापना की गई है. हर साल दिए जानेवाले ये सम्मान राष्ट्रीय सुरक्षा, संगीत और स्वास्थ्य के क्षेत्र में दिए जाएंगे.इन्हीं तीन सम्मानों की घोषणा के लिए सोमवार को मुंबई के एनसीपीए में आयोजित एक समारोह में मख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एक पुलिस अधिकारी एवं आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) प्रमुख के रूप में काम कर चुके हिमांशु राय के योगदान को याद करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्ष वर्दी में काम कर रहे एक सरक्षाकर्मी के अलावा हर नागरिक की जिम्मेदारी है, और उसे यह जिम्मेदारी याद रखनी चाहिए.

हिंगोली निवासी,सभी के चहेते और सामाजिक कामों में अग्रणी रहने वाले हमारे मित्र

डॉ.काशीनाथ शिंदे

को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुक- डॉ. काशीनाथ शिंदे मित्र मंडल, विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती,

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

राजपुरोहित

फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी

इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी

HD व्हिडीओ शुटींग | इंस्टाग्राम रील

कॉफी मग प्रिंटींग | ड्रोन शुट

फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने शिलांगण रोड, अमरावती

संपर्क : 9028123251

वैकुंठाद्रि के बारे में सुनने वाले होंगे पुण्यात्मा

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा
किश्त-23, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी-वपुल बल से रावण को युध्द में हरा दिया.कुंभकर्ण को हराकर और रावण को युध्द के लिए ललकार कर उसका वध किया . राघव ने इस रूप में युध्द में विजय प्राप्त की यह देखकर देवतागण ने राम की स्तुति की.

सीता की वहाँ परीक्षा करके राम ने सीता को ग्रहण किया. विभीषण की भक्ति से संतुष्ट होकर उसे लंकाधिपति बनाया. बाद में लक्ष्मी सीता समेत पुष्पक विमान पर चढ़कर सुंदर साकेतपुर पहुँचे. वहाँ भरत शत्रुघ्न की भक्ति से कीर्तन करने पर सिंहासन ग्रहण किया.सारी प्रजा को अत्यंत करुणा द्दष्टि से देख कर पालन किया. सूत ने शौनकादियों को इस रूप में बताया.तब उन्होंने पूछा- वानरों ने गुफा में जिसे देखा वह दिव्य पुरुष कौन है बताइए. उन्होंने जिज्ञासा प्रकट की. तब सूत ने उनसे इस रूप में बताया . वेकुंठ से विरक्त होकर वैकुंठ छोड़ कर शेषगिरि पर विचरण करनेवाले नारायण ने ही उस गुफा के अंदर वानरों को दर्शन दिए.उन्हें अपने निज रूप के दर्शन दिए. वानरों के लिए यह अभ्दुत अवसर था. वानरों के व्दारा भूलोकवासी मनुष्यों को भी उस नारायण के बारे में पता चला. इस प्रकार पहाड़ की गुफा में हरि ने वानरों को वैकुंठ दिखाया था.इसलिए उसका नाम वैकुंठ गुफा के रूप में आगे वह प्रसिध्द हो गया. उसमें मुक्तिकामी सन्यासी सन्यासी ,देवताओं की पूजा करने से स्वामी श्रीदेवी और भूदेवी समेत बसे.इस रूप में वह पर्वत वैकुंठाद्रि के रूप में जगत्प्रसिध्द बन गया . ऐसे वैकुंठाद्रि के बारे में सुनने वालों को भी कलि का दोष नहीं लगेगा.ऐसे लोग पुत्र पौत्राभिवृध्दि पाकर महा ऐश्वर्य संपदाओं से संपन्न बनकर मोक्ष को प्राप्त कर लेंगे .सूत की इन बातों को सुनकर शौनकादि मुनियों ने सूत की तरफ देखकर इस रूप में कहा.

आश्वांत-हे पंकज लोचन दानव भयंकर सुगुणाभिराम यव्याधामा शंकर मित्र शुभाकर वेंकटगिरि रमण मौनि विनुत वितरण कलश जलाधिवाला कांत श्रृंगार लीला सललित गणजाला साम सनलोल खलदनुज विफाल कालकर्मादि मूला विलासित गुणशीला हे वेंकचाद्रि पालक-इसमें तरिगोंड लक्ष्मी नरसिंहा के करूणा -कटाक्ष से बना विचित्र काव्य वशिष्ठ गोत्र कृष्णयामात्य की पुत्री वेंगमांबा प्रणीत श्री वेंकटाचल माहात्म्य नामक वराहपुराण का अंश वेंकटगिरि पूर का वर्णन है. नैमिशारण्य का वर्णन शौनकादि महामुनियों के प्रश्न ब्रह्न का दिन और प्रलय प्रकार हरि के श्वेत वराह के रूप में अवतरित होकर हिरण्याक्ष का संहार करके पाताल में डूबे धरती कोयथा स्थान पर लाकर खड़ा करना श्वेतवराह स्वामी का श्रीदेवी और भूदेवी समेत वेंकटाचल पर बसना गरूड के व्दारा वैकुंठ क्रीड़ाचल को लाकर धरती पर स्थापित करना वराह स्वामी का उस पर्वत पर चढ़ कर बसना ब्रह्य इंद्रदि देवतागण वहाँ पहुँचकर स्वामी की स्तुति करके विनतियाँ सुनाना वराह स्वामी शेषाद्रि पर विहार करना पुष्करिणी का माहात्म्य वेंकटाद्रि को एक-एक निमित से अलग -अलग-अलग नाम प्राप्त होना, वराह स्वामी क्रीड़ाचल के उत्तर भाग में बसना वहाँ से यज्ञ करनेवाले मुनियों को देखना स्वयं और लक्ष्मी के वेश बदल कर यज्ञशाला में प्रवेश करना हरि के व्दारा वप का ग्रहण करना देशांतर यात्रा करनेवाले वृध्द ब्राह्मण से हरि के व्दारा कुमार धारा में स्नान करवाकर उसे बाल कुमार बनाकर भेजना शंखण महाराज को पुष्करिणी में हरि के दर्शन देकर उसे राज्याभिषिक्त करवाना,आत्माराम नामक भक्त को हरि प्रत्यक्ष होकर उसके दारिद्रय को मिटा कर संपदाएँ प्रदान करना कपिल लिंग, कपिलतीर्थोभ्दव उस कपिल तीर्थ के ऊपर सप्तादश तीर्थों का प्रभाव तीर्थ यात्रा पर निकले ब्राह्मण को सपने में दिखाई देकर पुष्कराद्रि में अनेक तीर्थों के दर्शन करवाना युधिष्टिरादि एक वर्ष के लिए वेंकटाद्रि के पुण्यतीर्थों के लिए वेंकटाद्रि के पुण्य तीर्थों के आश्रय में रहना युगभेद से वेंकटाद्रि के प्रकाशित विविध चिह्न रावण संहार करने जानेवाले श्रीराम के व्दारा एक दिन वेंकटाद्रि के पर निवास करना वेकुंठ गुफा में कपिवीरों को परस पुरूष के दर्शन होना आदि अनेक कथा-प्रसंगों का यह प्रथम आश्वास है.

तरिगोंड नृहरि (संबोधन)-हे श्रीकर! निर्जर मोनिशीकर ! सभ्दक्त बृंद चित्त विहारा! राकेंदु वदना! शुभकर! प्राकट तरिगोंड नृहरि ! पाप विदारी! सूत को देखकर शौनकादि मुनियों ने कहा.हे सूत हमने ब्रह्मोत्सव क्रम को आश्र्वर्य के साथ सुना है. तब विष्णु के चक्र ने बहु चोर समूहों का संहार किया ऐसा आपने बताया. उनका संहार उन्होंने कैसे किया, उसके बारे में जानने की इच्छा है. आप कृपया उसके बारे में बताइए. तब सूत ने संशय द्दाष्टि से देखकर हे मुनिगण सुनिए. उस महान चक्र के बारे में बताने के लिए मैं कितना महान हूँ फिर भी भी थोड़ा बहुत बताऊँगा. कहते फिर कहना शुरू किया. चक्र ने माधव की आज्ञा का पालन करते हुए संतोष के साथ निकलकर महान राजा के रूप में अपना वेश बदल लिया.कुल मिलाकर यह पूरा क्षेत्र ही पावन हो गया है. इसका दर्शन करने मात्र से जीवन धन्य हो जाता है. तिरूपति तीर्थस्थल हो गया.

शेष आगे के अंक में

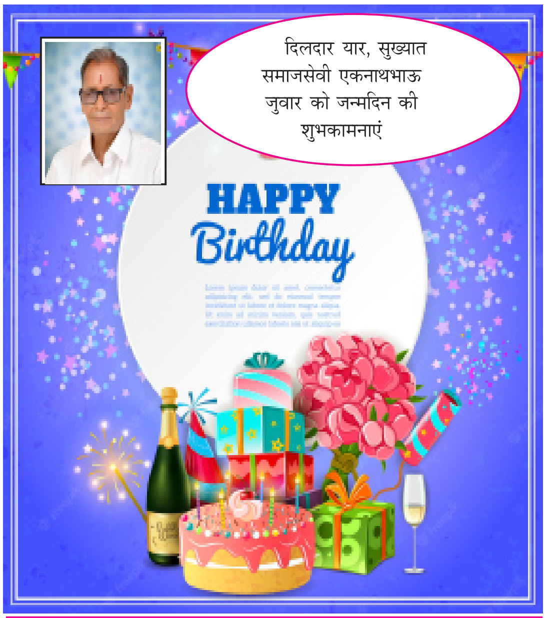

शुभेच्छुक- एकनाथ जुवार मित्र परिवार, अमरावती.

सेवाभावी,कर्मठ,समर्पित व्यक्ति हैं तुषार गुप्ता

अमरावती- शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात व्यवसायी,समाजसेवी तुषार गुप्ता के हजारों चाहने वाले हैं. वे जहां यारों के यार हैं, वहीं मेहनत,लगन और समर्पण को जीवन में सफलता का मंत्र मानते हैं. विनम्रता को जीवन का सबसे बड़ा मंत्र मानते हैं. स्वभाव का प्रभाव सदैव रहने की बात वे कहते हैं. उनके मुताबिक अहंकार से व्यक्ति स्वयं का नुकसान करता है. लेकिन विनम्रता सदैव लाभ दिलाती है.कुछ इसी सिद्धांत पर काम करने वाले शहर के युवा व्यवसायी तुषार गुप्ता ने लाखों मित्र परिवार बनाए हैं. शहर में व्यवसाय के क्षेत्र में आसमानी उंचाई के बाद भी उनकी विनम्रता किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहती है. यही कारण है कि जिस तरह से उनके जन्मदिन पर हजारों लोगों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं

दी और जिस विनम्रता से उन्होंने सभी के प्रेम के लिए कृतज्ञता जताई, उनका यही विनम्र स्वभाव उन्हें सदैव लोगों के दिलों में स्थान बनाने के लिए प्रेरित करता है. इसलिए जितना संभव हो सके, किसी को अपना बना लो या फिर किसी के बन जाओ. ऐसा करने वाले व्यक्ति के जीवन में न तो कभी खुशियां कम होती हैं और न ही वह व्यक्ति कभी असफल होता है.

तुषार गुप्ता ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण के साथ जीवनसंगिनी के साथ को लकी मानते हैं. उनके मुताबिक जीवन में मेहनत, समर्पण के साथ किया गया कोई भी काम विफल नहीं हो सकता है.व्यवसाय की कामयाबी के साथ ही सामाजिक कामों में सदैव तल्लीन रहने के बाद भी उनके चेहरे पर सदैव मुस्कराहट रहती है. उनका मानना है कि सकारात्मक सोच ही जीवन में व्यक्ति को कामयाब बनाती है. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से तुषार गुप्ता को जन्मदिन की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएँ. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, सभी चाहतें पूरी हों, यही कामना.उनका मानना है कि अच्छी सोच जीवन में कामयाबी की महत्वपूर्ण कड़ी होती है.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात व्यवसायी, सेवाभावी व्यक्तित्व और सामाजिक कामों में भी सदा अग्रणी रहने वाले, यारों के दिलदार यार, मिलनसार व्यक्तित्व,सभी के चहेते

तुषार गुप्ता

को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामएं,आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें,प्रभु चरणों में यही कामना.

शुभेच्छुक - मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान, अमरावती.

सेवा,समर्पित व्यक्तित्व हैं विनोद गुहे

अमरावती - गड़गड़ेश्वर प्रभाग में युवा स्वाभिमान पार्टी के प्रमुख विधायक रवि राणा तथा पूर्व सांसद नवनीत राणा के मार्गदर्शन में करोड़ों रूपए के विकास काम के साथ ही संत गजानन महाराज मंदिर के विकास के साथ ही धार्मिकता के क्षेत्र में अग्रणी विनोद गुहे को पूरा शहर जानता है. बहुगुणी व्यक्तित्व के रूप में जहां हजारों मित्र परिवार बनाया है, वहीं दूसरी ओर जनता की विभिन्न समस्याओं तथा किसी पर भी अन्याय होने पर दौड़ने वाले युवा नेता हैं. उनके 1 जुलाई को जन्मदिन पर हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और उनकी सभी मुरादें संतश्री गजानन महाराज पूरा करें, प्रभु चरणों में यही कामना. वे जनसेवा को परमोधर्म मानते हैं. उनके मुताबिक मानव धर्म से बड़ा धर्म नहीं है. सेवा किसी भी रूप में हो, सदैव बेहतरीन रहती है. सेवा से मिलने वाले सुकून की अन्य किसी से तुलना नहीं हो सकती है. इस आशय का मत युवा समाजसेवी, गजानन महाराज भक्त विनोद गुहे ने किया. राणा दम्पति की सेवा भावना से प्रेरित विनोद गुहे के मुताबिक जनसेवा का लाभ मिलता ही है. समर्पण भाव से सेवा की जानी चाहिए. संघर्ष से जूझते हुए विनोद गुहे ने स्वयं का शहर में स्थान बनाया है. दिलदार यार विनोद गुहे का समावेश है. विनोद को भी बचपन में संघर्ष तथा अभावों से जूझना पड़ा है. लेकिन कभी भी हिम्मत नहीं हारते हुए सदैव आगे बढ़ने के लिए उनके द्वारा किया गया प्रयास अन्यों को प्रेरणा दे सकता है. गरीबी से लेकर आज सम्पन्नता के दिनों में भी दिलदार यार के रूप में उनका उल्लेख किया जा सकता है. साप्ताहिक अखबार के संपादक की भूमिका हो, विधायक रवि राणा के निजी सचिव, कृषि मंडी के पूर्व संचालक के रूप में किसानों के हितों के लिए संघर्ष करने की बात हो, वह सदैव आगे रहते हैं. राणा दम्पति के अत्याधिक करीबियों में रहने के बाद भी किसी बात का गर्व नहीं करता है.कहते हैं कि व्यक्ति की कामयाबी के साथ ही उसकी कई कमियां भी लोगों को दिखती हैं लेकिन विनोद गुहे का मानना है कि दिल से अच्छा काम करने का प्रयास करना चाहिए, लोगों ने श्रीराम, श्रीकृष्ण को नहीं छोड़ा है. प्रभाग के विकास के लिए सदैव तत्पर रहने के साथ ही विनोद गुहे का क्षेत्र में संपर्क व्यापक है.उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं.

भाजपा में जा सकते हैं कांग्रेस नेता शशि थरूर,चर्चाएं तेज

नई दिल्ली- कांग्रेस नेता शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर' पर वैश्विक पहुंच के संबंध में उनका लेख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पार्टी में शामिल होने का संकेत नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता, हित और भारत के लिए खड़े होने का संदेश है. थरूर ने अंग्रेजी अखबार के लिए सोमवार को लिखे एक लेख में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक अहम पूंजी" बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक सहयोग एवं समर्थन की जरूरत है. उनकी टिप्पणियों को कांग्रेस पार्टी के लिए फिर से असहज स्थिति पैदा करने और पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों में दरार पड़ने के आसार के तौर पर देखा गया.यहां एक कार्यक्रम में लेख के बारे में पूछे जाने पर तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा-यह प्रधानमंत्री की पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का मेरा संकेत नहीं है, जैसा कि कुछ लोग दुर्भाग्यवश कह रहे हैं. यह राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रीय हित और भारत के लिए खड़े होने के लिए एक बयान है, जो मेरे विचार से मूल रूप से यही कारण है कि मैं संयुक्त राष्ट्र में 25 साल की सेवा के बाद भारत वापस आया.

नसीब और ऊंचे हो तुम्हारे,
सबका प्यार यूं ही मिलता रहे तुम्हें,
दुआ है रब से हर सफलता मिले तुम्हें,
जन्मदिन बहुत-बहुत शुभकामनाएं!

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती, विनोद गुहे मित्र परिवार तथा युवा स्वाभिमान पार्टी के पदाधिकारी,सदस्य तथा मित्र परिवार,अमरावती.

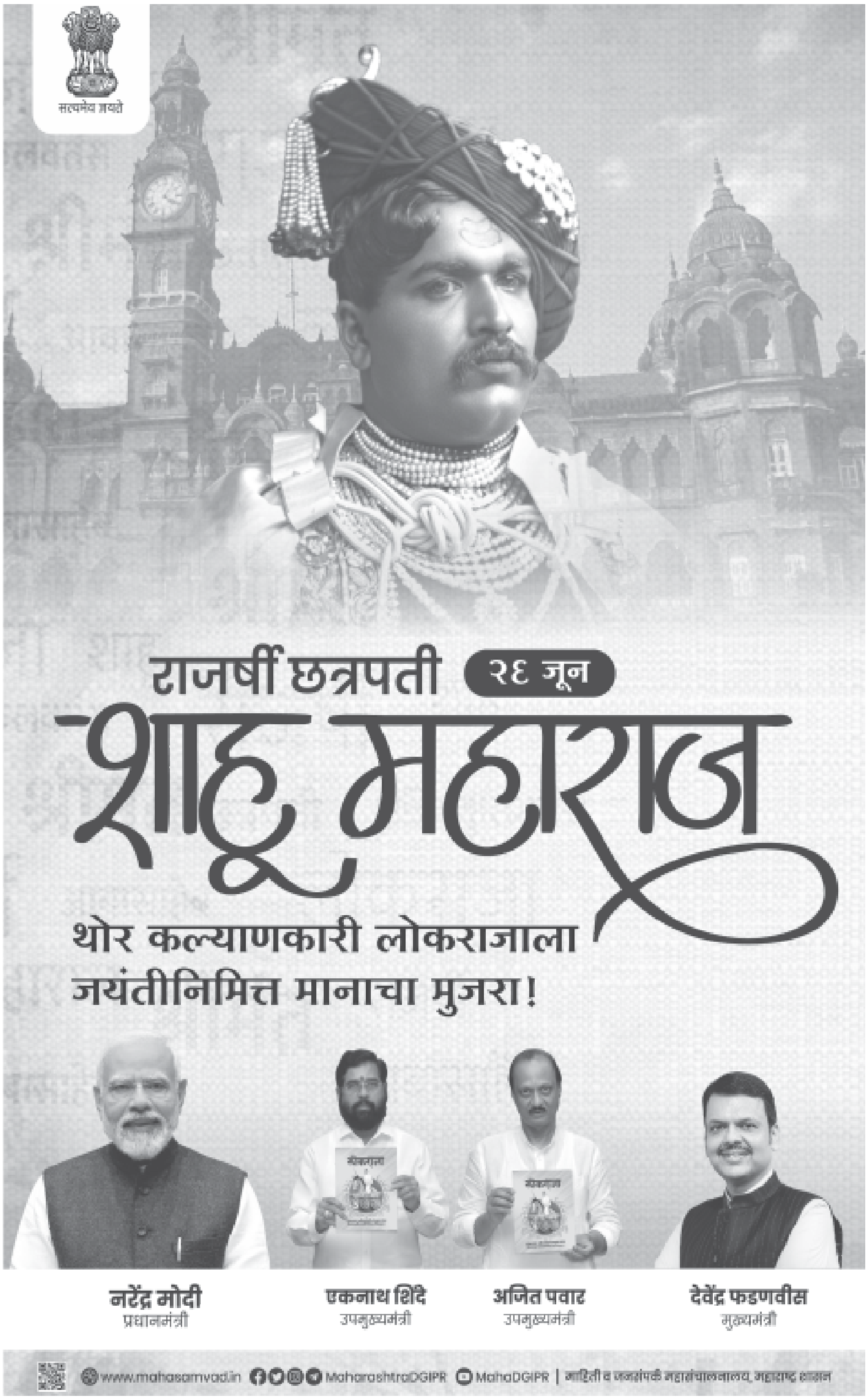

सही मायने में सीखना तो गरीबी में ही होता है-जगदीश दुबे

अमरावती- जीवन में गरीबी,मजबूरी और समस्याओं से परेशानी के बाद उपजने वाली सोच और उसके बाद किया जाने वाला निराकरण किसी पीएचडी की किताब में नहीं मिल सकता है. स्थितियां ही सिखाती हैं, वह सीख भी ऐसी होती है जो जीवन में कभी पीछे नहीं मुड़ने देती है. गरीबी में जो सीख मिलती है, वह कोई महागुरू भी नहीं दे सकता है. इस आशय का प्रतिपादन अंध विद्यालय हिंगोली से सेवानिवृत्त शिक्षक जगदीश जमुनाप्रसाद दुबे ने किया. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा दुबे परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. मेहनत, लगन, समर्पण तथा समय प्रबंधन में परफेक्ट रहने वाला व्यक्ति कभी पीछे नहीं आ सकता है. बचपन में गरीबी तथा संघर्षों से जूझने के बाद भी जगदीश दुबे ने जहां स्वयं का मुकाम बनाया, वहीं दोनों ही बेटे डॉ. संदीप दुबे, शिक्षक सुमित दुबे के साथ ही बेटी प्रगति भी उच्च विद्याविभूषित होकर सुखी है. वे कहते हैं कि यह सब कुछ पूज्य बाबूजी के आशिर्वाद और मेहनत के कारण ही संभव हो सका है. मेहनत को जीवन का सबसे बड़ा सफलता का मंत्र बताते हैं और कहते हैं कि जो मेहनत की तैयारी रखता है, व्यसनों से दूर रहता है,

कामयाबी उसके कदम अवश्य चूमती है.हजारों ऐसे युवाओं के लिए वे प्रेरणादायी व्यक्ति हैं. दिव्यांग रहने के बाद भी मेहनत से उन्होंने अपना स्वयं का स्थान न केवल समाज में बनाया, बल्कि आज आदर्श पुत्र, पिता के साथ ही हर भूमिकाओं में आगे हैं. नेत्रहीनता को उन्होंने जीवन में कभी भी कमजोरी नहीं बल्कि ताकत बनने दिया. अपनी अथक मेहनत, संघर्ष से जहां उदाहरण प्रस्तुत किया, वहीं आज भी कठिन से कठिन समस्या को मुस्कराते हुए हल करने की कला किसी को भी हैरत में डालती है. हाजिर जवाबी के उन्हें उस्ताद कहना गलत नहीं होगा. वे कहते हैं कि दुनिया में जहां चाह है, वहां राह है. इसलिए कमजोर मानने की बजाय स्वयं को सदैव मजबूत मानना चाहिए. इससे स्वयं तुममें ताकत आएगी और कोई नहीं रोक सकेगा. वे कहते हैं कि इम्पॉसिबल में ही पॉसिबल छिपा होता है. केवल तुम्हारी मानसिकता उसके लिए जरूरी है. सफलता का आरंभ भी स से होता है और संघर्ष की शुरूवात भी इससे ही होते हैं. संघर्ष से सफलता का सफर ही जीवन है.भाई साहब का 1 जुलाई को जन्मदिन है, पूरा विदर्भ स्वाभिमान परिवार मंगलमय कामना करता है.आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें.

अमरावतीचे लोकप्रिय खासदार, लोकसभा सीट,अमरावती.

अमरावती का बेटा हूं-न्या.गवई

पेज 1 से जारी-से ही वकील और जज बने हैं. उनके मुताबिक अमरावती ने उन्हें तथा परिवार को सदैव अपार प्यार दिया है. पिता दादासाहब गवई तथा मां डॉ.कमलताई गवई को जीवन का प्रेरणास्त्रोत बताते हुए अमरावती पहुंचने पर सर्वप्रथम वे अपने घर पहुंचकर मां के समक्ष नतमस्तक होकर आशिर्वाद प्राप्त किया. इससे पहले अमरावती आगमन पर उनकी जिला रक्तदान समिति तथा चहेतों द्वारा रक्ततुला की गई. इस मौके पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों के नागरकिों के साथ ही न्यायिक तथा सभी क्षेत्रों के मान्यवर उपस्थित थे. दादा-दादी के साथ ही उन्होंने अपने मित्रों रूपचंद खंडेलवाल, विजय खंडेलवाल सहित कईयों का मंच से जब जिक्र किया तो आसमानी ऊंचाई के बाद भी संबंधों को वे किस तरह मानते हैं, इसको जानकर अंबानगरी के सभी उपस्थित गद्‌गद हुए. उनके मुताबिक देश के न्यायिक क्षेत्र के प्रमुख मुख्य न्यायाधीश के रूप में जिस दिन शपथग्रहण किया, उसी दिन अमरावती का सम्मान इस क्षेत्र में सदैव दुगुना करने की बात कही. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कई पत्रकारों ने उनका साक्षात्कार के लिए आग्रह किया था लेकिन उन्होंने नहीं दिया. उनके मुताबिक साक्षात्कार में बड़े-बड़े दावे करना उनकी शगल नहीं है. अपने वरिष्ठों, सहयोगियों तथा मित्रों को भी धन्यवाद दिया. उनके लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश रमण ने हैद्राबाद से दो गजहार लाया था, यह हार समारोह में सभी के आकर्षण का केन्द्र बना था. मां डॉ.कमलताई गवई का कईयों ने सत्कार कर उनका मंच पर आशिर्वाद लिया. पूरा गवई परिवार इस मौके पर मौजूद था. जिला वकील संघ के अध्यक्ष एड. सुनील देशमुख के साथ टीम के अलावा जाने-माने अधिवक्ता एड. प्रशांत देशपांडे तथा सहयोगियों सहित बड़ी संख्या में संस्थाओं तथा विभिन्न क्षेत्र के मान्यवरों ने अमरावती के नाम को पूरे विश्व में रोशन करने वाले देश के प्रधान न्यायाधीश न्या. भूषण गवई का आत्मीय सत्कार किया. इस मौके पर विधायक रवि राणा, सुलभाताई खोड़के, संजय खोडके के साथ ही सभी क्षेत्रों के मान्यवर उपस्थित थे.

ग्राहकों सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

बैंक के नए जिला प्रबंधक नरेश हेडाऊ ने कहा, किसानों के साथ ही गरीबों को देते हैं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, बेहतरीन टीम को मानते हैं सबसे बड़ी ताकत

विदर्भ स्वाभिमान, 25 जून

अमरावती-ग्राहक सेवा के शतक को पार करने वाली सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ग्राहकों को जहां सदैव बेहतरीन सेवा देने का प्रयास करती है, वहीं दूसरी ओर बैंक का विश्वास ग्राहकों में तेजीसे बढ़ रहा है. ग्राहकों की सेवा को ही हम धर्म समझते हैं और उनका समाधान ही हमारा प्रयास होता है. इस आशय का प्रतिपादन बैंक के जिला प्रबंधक नरेश हेडाऊ ने व्यक्त किया. पूर्व जिला प्रबंधक श्यामकुमार शर्मा के स्थान पर हाल ही में नरेश हेडाऊ ने बैंक की जिम्मेदारी संभाली है.

115 साल से अधिक का ग्राहक सेवा का इतिहास रचने वाली सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है. बैंक की सभी शाखाओं द्वारा ग्राहकों को बेहतरीन सेवा देने के लिए जहां जानी जाती है, वहीं दूसरी ओर बैंक के सुरक्षा गार्ड से लेकर बैंक के हर अधिकारी और कर्मचारी ग्राहकों की सेवा तथा मार्गदर्शन के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. ग्राहकों की सेवा ही हमारा सर्वोच्च धर्म और कर्म रहने की बात प्रबंधक नरेश हेडाऊ ने कही. उनके मुताबिक टीम बेहतरीन रहने के कारण ग्राहकों को बेहतरीन सेवा देने का प्रयास किया जाता है. ग्राहकों की हर समस्या का समाधान करने के लिए वे जहां तत्पर रहते हैं, वहीं दूसरी ओर बैंक में ग्राहकों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है. बैंक की कामयाबी का श्रेय वे बैंक पर विश्वास दर्शाने वाले ग्राहकों को देते हैं. उनके मुताबिक तत्पर तथा विश्वसनीय सेवा के साथ ही ग्राहकों की समस्याओं का निराकरण मौके पर ही करने का प्रयास वे सदैव करते हैं. ग्राहकों के अपार विश्वास के लिए उन्होंने कृतज्ञता जताते हुए कहा कि ग्राहक उनके लिए सर्वो च्च रहता है. ऐसे में वे उनकी सेवा में अपनी ओर से कहीं भी कमी करने की बात नहीं चाहते हैं.विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत के दौरान नरेश हेडाऊ ने कहा कि उन्होंने जब से जिम्मेदारी संभाली है, अपनी ओर से बेहतरीन सेवा देने का प्रयास किया है. सभी सहयोगियों को बैंक की लोकप्रियता

का श्रेय देते हुए वे कहते हैं कि अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है लेकिन जब टीम बेहतरीन काम करती है तो असंभव भी संभव हो जाता है. नरेश हेडाऊ अनुशासन पसंद तथा काम में समर्पित व्यक्ति हैं. उनके मुताबिक सभी के सहयोग से ही प्रगति होती है. इस पर उन्हें भरोसा है. जीवन में माता-पिता के आदर्श आचार-विचार और संस्कारों को महत्वपूर्ण बताते हुए वे कहते हैं कि मानव धर्म सबसे बड़ा धर्म है.इंसान को इंसान के साथ इंसानियत से पेश आना चाहिए, कई समस्याओं का वैसे ही निपटारा हो जाता है.

श्री सरयूपारिण ब्राह्मणसभा के समाज भवन का 27 को भूमिपूजन

आमसभा भी होगी, समाज बंधुओं से उपस्थिती का आग्रह, डॉ.सतीश तिवारी,सचिव मनीष दुबे सहित सभी की पहल का बेहतरीन नतीजा

विदर्भ स्वाभिमान,25 जून

अमरावती-एकता के साथ समाज की मजबूती के लिए लगातार प्रयासरत रहने वाले श्री सरयूपारिण ब्रह्मण सभा के समाज भवन का भूमिपूजन समारोह एवं आमसभा का आयोजन शुक्रवार 27 जून को सुबह 10 बजे किया गया है. एमआईडीसी बायपास रोड स्थित मालू लेआउट में समाज भवन के भूमिपूजन समारोह में प्रमख अतिथी के रूप में सांसद डॉ.अनिल बोंडे, बडनेरा के विधायक रवि राणा, अमरावती की विधायक सुलभाताई खोडके, विधायक संजय खोडके, मालू इंटरप्राइजेज के संचालक वरूण मालू प्रमुखता से उपस्थित रहेंगे. इस दौरान आमसभा में समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की जाएगी.

कार्यक्रम में सभी समाज बंधुओं से उपस्थित रहने का आग्रह सभा के अध्यक्ष डॉ. सतीश तिवारी, सचिव प्रा.मनीष दुबे एवं कार्यकारिणी ने किया है.कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री सरयू पारिण ब्राह्मण महिला मंडल, युवा ब्राह्मण परिषद के साथ सभी समाजबंध प्रयासरत हैं. आमसभा में समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा कर फैसला किया जाएगा.लंबे समय से समाज भवन का प्रयास किया जा रहा था. पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय सूरजकिशोर चौबे और उनकी टीम द्वारा लगातार किए गए प्रयासों के बाद नई कार्यकारिणी तथा सभी समर्पित पदाधिकारी द्वारा इसके लिए किए गए प्रयासों के चलते शहर में समाज भवन तैयार होने वाला है. भवन निर्माण के लिए नागपुर की कैनहोप फाऊंडेशन की संस्थापक सौ.सुनीता विनोद दुबे द्वारा स्वर्गीय राधेश्यामजी दुबे की स्मृति में भवन निर्माण के लिए 11 लाख रुपए की निधि प्रदान की गई है. अध्यक्ष डॉ.सतीश तिवारी, सचिव प्रा.मनीष दुबे ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी समाज बंधुओ के सहयोग से यह समाज भवन समाज के लिए बेहतरीन रहने के साथ आगामी पीढ़ी को समाज की एकता की ताकत का जहां एहसास कराएगा वहीं सभी के लिए यह अविस्मरणीय साबित होगा. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से समाज की एकता और प्रयासों की इस शानदार कामयाबी को हार्दिक शुभकामनाएं.

गुरूवार 26 जून से 2 जुलाई 2025

मेष- यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है. विवाद से बचना ही श्रेयस्कर होगा.

वृषभ-शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.वाहन धीरे से चलाएं.थोड़ी मेहनत भी लाभ दिला सकती है.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह मानना लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा. घर में खुशी का माहौल रहेगा.

मीन-दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.इस समय छोटी कोशिश सफलता देगी.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें.

कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

जनहित में समर्पित अधिकारी हैं सहायक आयुक्त भूषण पुसतकर

अनुशासन के साथ ही सहयोगियों को करते हैं सदा प्रोत्साहित

विदर्भ स्वाभिमान, 25 जून

अमरावती-महानगर पालिका के लोकप्रिय तथा जनता की समस्या को हल करने के लिए सदैव प्रयासरत रहने वाले अधिकारी के रूप में सहायक आयुक्त भूषण पुसतकर का उल्लेख किया जाता है. काम में जितने समर्पित हैं, अधीनस्थों को संभालने के साथ ही उनसे बेहतरीन काम करवाने में भी उनका जवाब नहीं है. वे कहते हैं कि अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है लेकिन जब टीम काम करती है तो बेहतरीन काम होता है. मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा को संवेदनशील अधिकारी बताते हुए उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर मनपा से जुड़ी समस्याओं का निराकरण तेजी से होगा. सहायक आयुक्त के रूप में राजापेठ क्षेत्र में सदैव बेहतरीन काम करने के अलावा उनका मानना है कि लोगों को भी साफ-सफाई के मुद्दे पर मनपा प्रशासन को सहयोग करना चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए वे कहते हैं कि बारिश के दिनों में लोगों को नालियों में कचरा नहीं डालना चाहिए. प्लास्टिक पर पाबंदी लगने के बाद भी लोगों द्वारा इसका

धड़ल्ले से उपयोग किया जाता है. इससे नालियां चोकअप होने का खतरा सदैव रहता है. जनता से सदैव जुड़े रहने वाले तथा हरसंभव समाधान का प्रयास करने वाले सहायक आयुक्त भूषण पुसतकर के मुताबिक जनता की सेवा का जो मौका उन्हें मिला है, उसे बेहतरीन तरीके से निभाने का प्रयास करते हैं.साफ-सफाई के मामले में गंभीर रहने के साथ उन्होंने लोगों से भी साफ-सफाई पर ध्यान देने, चलते रास्ते में नहीं थूकने, घर के आसपास कचरा नहीं करने के साथ ही रास्ते पर भी कचरा नहीं फेंकते हुए मनपा को सहयोग करने का आग्रह किया.सभी के साथ से ही शहर की सुंदरता और विकास को तय किया जा सकता है.

अमरावती का गौरव हैं न्या. भूषण गवई

सांसद बलवंत वानखडे ने कहा, परिवार है आदर्श परिवार

विदर्भ स्वाभिमान, 25 जून

अमरावती- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अमरावती जिले के सांसद बलवंत वानखडे के मुताबिक अमरावती जिले के लिए पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभाताई पाटील, पूर्व राज्यपाल दादासाहब गवई के बाद देश की सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने न्या. भूषण गवई अमरावती की शान हैं. आज उनके कारण अमरावती का न्यायिक क्षेत्र में सम्मान बढ़ा है और आज अमरावती के सुपुत्र न्या. भूषण गवई की सादगी और अमरावती के प्रति लगाव, न्याय क्षेत्र के प्रति समर्पण निश्चित ही भावी पीढ़ियों को दिशा देने का काम करेगी. उनके मुताबिक अमरावती जिला संभागीय मुख्यालय है. यही कारण है कि हमारी उपलब्धियों में इस तरह की उपलब्धियां अत्याधिक मायने रखती हैं.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए सादगी पसंद और विकास को गति देने वाले सांसद बलवंतराव वानखडे ने कहा कि अमरावती जिले के विकास के लिए वे हरसंभव कोशिश करते हैं. उनके मुताबिक जिले के सभी विधायकों और सांसद

को मिलकर अमरावती को विकास में सबसे आगे रखने के लिए प्रयास करना होगा. विपक्षी सांसद रहने के कारण कई बार दिक्कतें आती हैं लेकिन जब जिले के विकास के लिए सभी दलों के नेता राज्य से लेकर केन्द्र तक जोर डालेंगे तो निश्चित तौर पर अमरावती जिले का विकास गति पकड़ेगा.

अमरावती के सुपुत्र और न्यायिक क्षेत्र में सर्वोच्च पद पर विराजमान होने वाले न्या. भूषण गवई तथा अमरावती के गवई परिवार की खूबियां बताते हुए वे कहते हैं कि समाज के सभी वर्गों को लेकर चलने की सीख स्व.दादासाहब गवई ने दी है. उन्होंने दो राज्यों के राज्यपाल के साथ ही अमरावती के विकास में सबसे अधिक योगदान दिया था. यह परिवार मानवता की सेवा के साथ ही गरीबों की मदद के लिए जहां प्रयासरत रहता है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय, महाविद्यालय के माध्यम से लाखों गरीब,किसान पुत्रों को उच्च शिक्षित करने का कार्य किया है. मातोश्री डॉ.कमलताई गवई का सेवा तथा समाजकार्य आज भी बदस्तूर रहने की बात सांसद बलवंत वानखडे ने कही. उनके मुताबिक जीवन में सदैव यह परिवार सामाजिक, सेवा कार्यों के लिए समर्पित रहा है. यही कारण है कि आज भी लाखों की संखाा में लोग दिवंगत दादासाहब गवई को न केवल चाहते हैं बल्कि उनके विचारों पर चलते हैं. सांसद बलवंत वानखडे ने कहा कि अमरावती का सौभाग्य है कि आज भारत में प्रथम महिला राष्ट्रपति देने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देने का सौभाग्य मिला है. न्या. भूषण गवई आदर्श व्यक्ति रहने के कारण उनके कार्यों से न्यायिक क्षेत्र निश्चित तौर पर गौरवान्वित होकर अमरावती का नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा.

गुणवत्ता *विश्वसनीयता* *तत्पर सेवा*

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048